TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

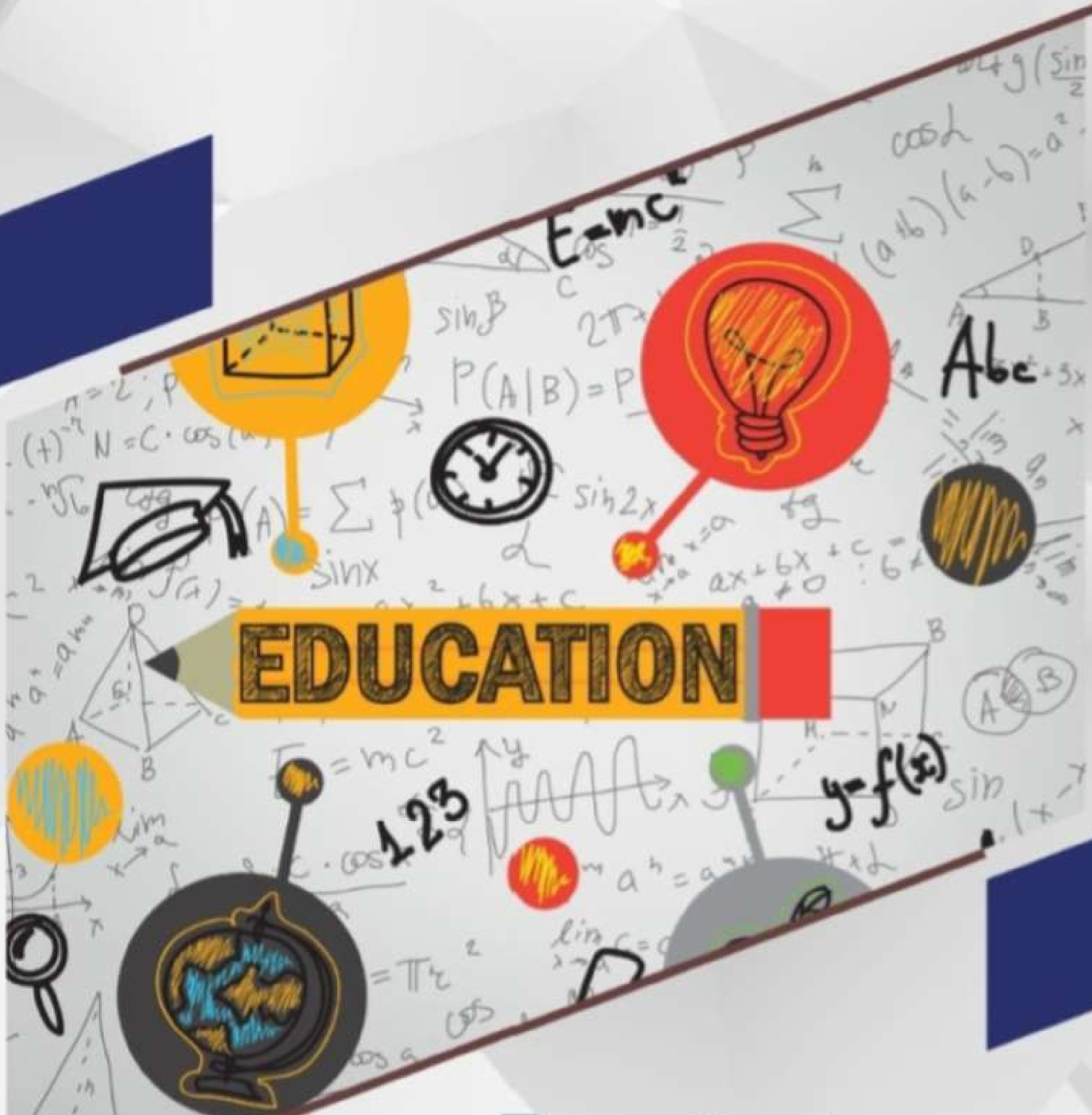

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

11 जून 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

डर शरीर का रोग नहीं है, यह आत्मा को मारता है।

महात्मा गांधी

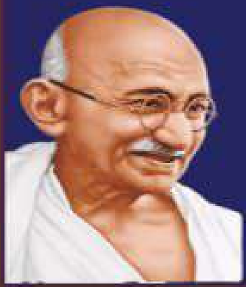

राकेश कुमार

दिवस विशेष

11 जून

मधु प्रिया

राम प्रसाद 'बिस्मिल का जन्म 11 जून

राम प्रसाद 'बिस्मिल का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर शहर के खिरनीबाग मुहल्ले में जन्मे रामप्रसाद अपने पिता मुरलीधर और माता मूलमती की दूसरी सन्तान थे। राम प्रसाद 'बिस्मिल' भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी थे, जिन्हें 30 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सरकार ने फाँसी दे दी। वे मैनपुरी षड्यन्त्र व काकोरी-काण्ड जैसी कई घटनाओं में शामिल थे तथा हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के सदस्य भी थे।राम प्रसाद एक कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाभाषी, इतिहासकार व साहित्यकार भी थे। बिस्मिल उनका उर्दू तखल्लुस (उपनाम) था जिसका हिन्दी में अर्थ होता है आत्मिक रूप से आहत। बिस्मिल के अतिरिक्त वे राम और अज्ञात के नाम से भी लेख व कवितायें लिखते थे।ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी (निर्जला एकादशी) विक्रमी संवत् 1897 शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में जन्मे राम प्रसाद 30 वर्ष की आयु में पौष कृष्ण एकादशी (सफला एकादशी), सोमवार, विक्रमी संवत् 1927 को शहीद हुए। उन्होंने सन् 1916 में 19 वर्ष की आयु में क्रान्तिकारी मार्ग में कदम रखा था। 11 वर्ष के क्रान्तिकारी जीवन में उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और स्वयं ही उन्हें प्रकाशित किया। उन पुस्तकों को बेचकर जो पैसा मिला उससे उन्होंने हथियार खरीदे और उन हथियारों का उपयोग ब्रिटिश राज का विरोध करने के लिये किया। 11 पुस्तकें उनके जीवन काल में प्रकाशित हुईं, जिनमें से अधिकतर सरकार द्वारा ज़ब्त कर ली गयीं।बिस्मिल को तत्कालीन संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध की लखनऊ सेण्ट्रल जेल की 11 नम्बर बैरक में रखा गया था। इसी जेल में उनके दल के अन्य साथियों को एक साथ रखकर उन सभी पर ब्रिटिश राज के विरुद्ध साजिश रचने का ऐतिहासिक मुकदमा चलाया गया था।

जयंती विशेष 11 जून

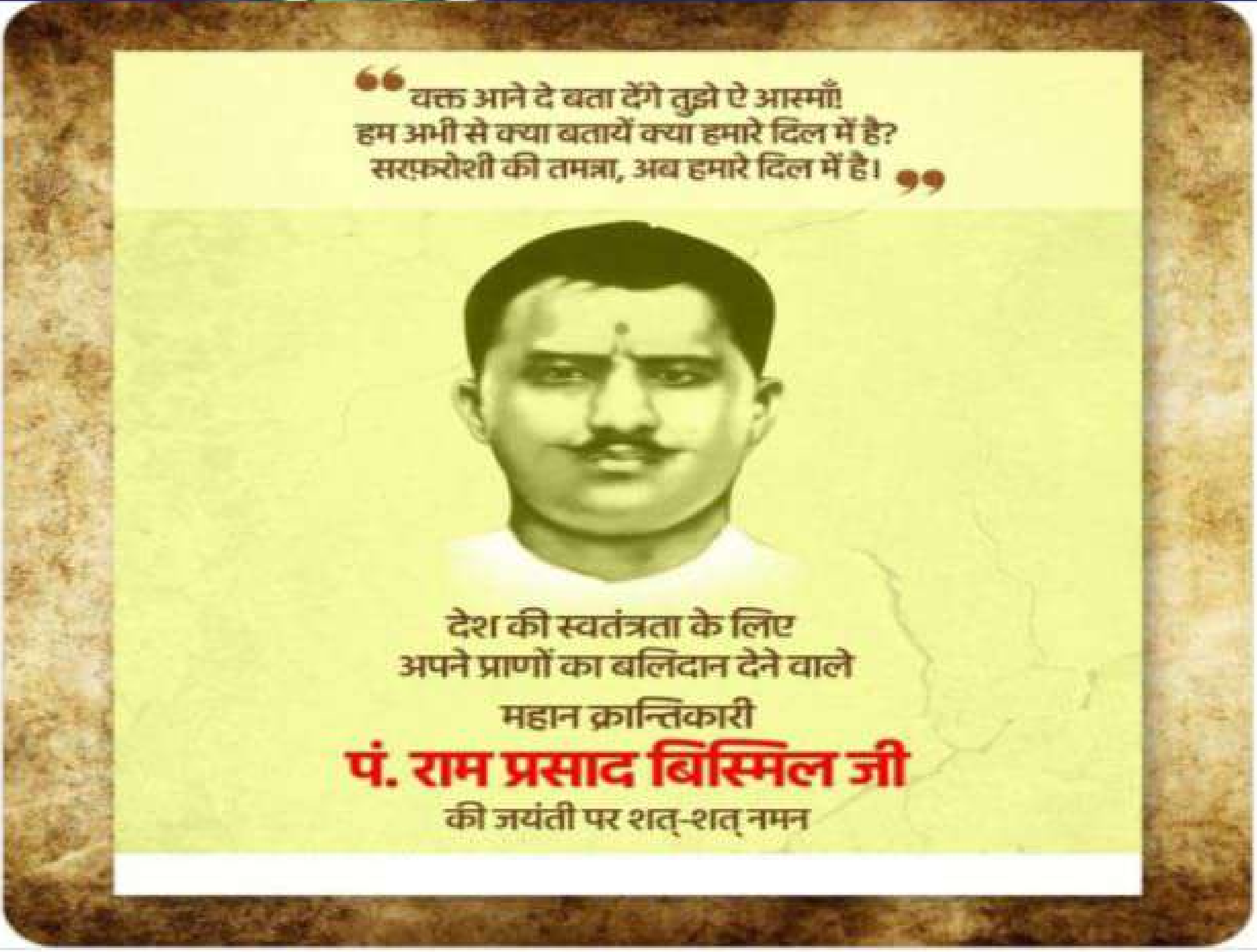

पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' (11 जून 1897 - 19 दिसम्बर 1927) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी थे, जिन्हें 30 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सरकार ने फाँसी दे दी। वे मैनपुरी षड्यन्त्र व काकोरी-काण्ड जैसी कई घटनाओं में शामिल थे तथा हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के सदस्य भी थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

एक पृथ्वी ,एक स्वास्थ्य के लिए योग

शीर्षसिन

शीर्षासन एक योग आसन है, जिसे "आसनों का राजा" भी कहा जाता है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। यह सिर में रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे मस्तिष्क को अधिक ऑक्सीजन मिलती है। इसके अतिरिक्त, यह तनाव, अवसाद और सिरदर्द से राहत दिलाता है, और याददाश्त और एकाग्रता में सुधार करता है।

सावधानी -

यदि आपको गर्दन, कंधे या पीठ में दर्द है, या यदि आप गर्भवती हैं, तो आपको शीर्षासन नहीं करना चाहिए। यदि आप किसी भी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो शीर्षासन करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

सपना कुमारी, वर्ग 8

Mritunjayam

TOB
खेल कॉर्नर

INDIAN PREMIER LEAGUE

IPL 2025

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले विदेशी

नूर अहमद
अफगानिस्तान
मैच: 14 | विकेट: 24
इकोनॉमी: 8.16
बेस्ट: 18/4

जोश हेजलवुड
ऑस्ट्रेलिया
मैच: 12 | विकेट: 22
इकोनॉमी: 8.77
बेस्ट: 33/4

ट्रेंट बोल्ट
न्यूजीलैंड
मैच: 16 | विकेट: 22
इकोनॉमी: 8.96
बेस्ट: 26/4

पैट कमिंस
ऑस्ट्रेलिया
मैच: 14 | विकेट: 16
इकोनॉमी: 9.06
बेस्ट: 19/3

मार्को यानसन
साउथ अफ्रीका
मैच: 14 | विकेट: 16
इकोनॉमी: 9.2
बेस्ट: 17/3

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 11.06.2025

तार्किक वाक्य

तार्किक वाक्य (तर्क वाक्य या लॉजिकल स्टेटमेंट) एक घोषणात्मक वाक्य होता है जो या तो सत्य या असत्य हो सकता है, लेकिन दोनों नहीं. यह एक ऐसा वाक्य होता है जो किसी चीज़ के बारे में कोई दावा या अभिकथन करता है, और जिसे सत्य या असत्य के रूप में मूल्यांकन किया जा सकता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल चिनाब ब्रिज की ऊँचाई 359 मीटर (1,178 फीट) है - यानी यह एफिल टावर से भी ऊँचा है!

पद्य पंकज

"

ख्वाहिश नहीं मुझे
मशहूर होने की,
आप मुझे पहचानते हो
बस इतना ही किसी है।

मुंशी प्रेमचंद

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

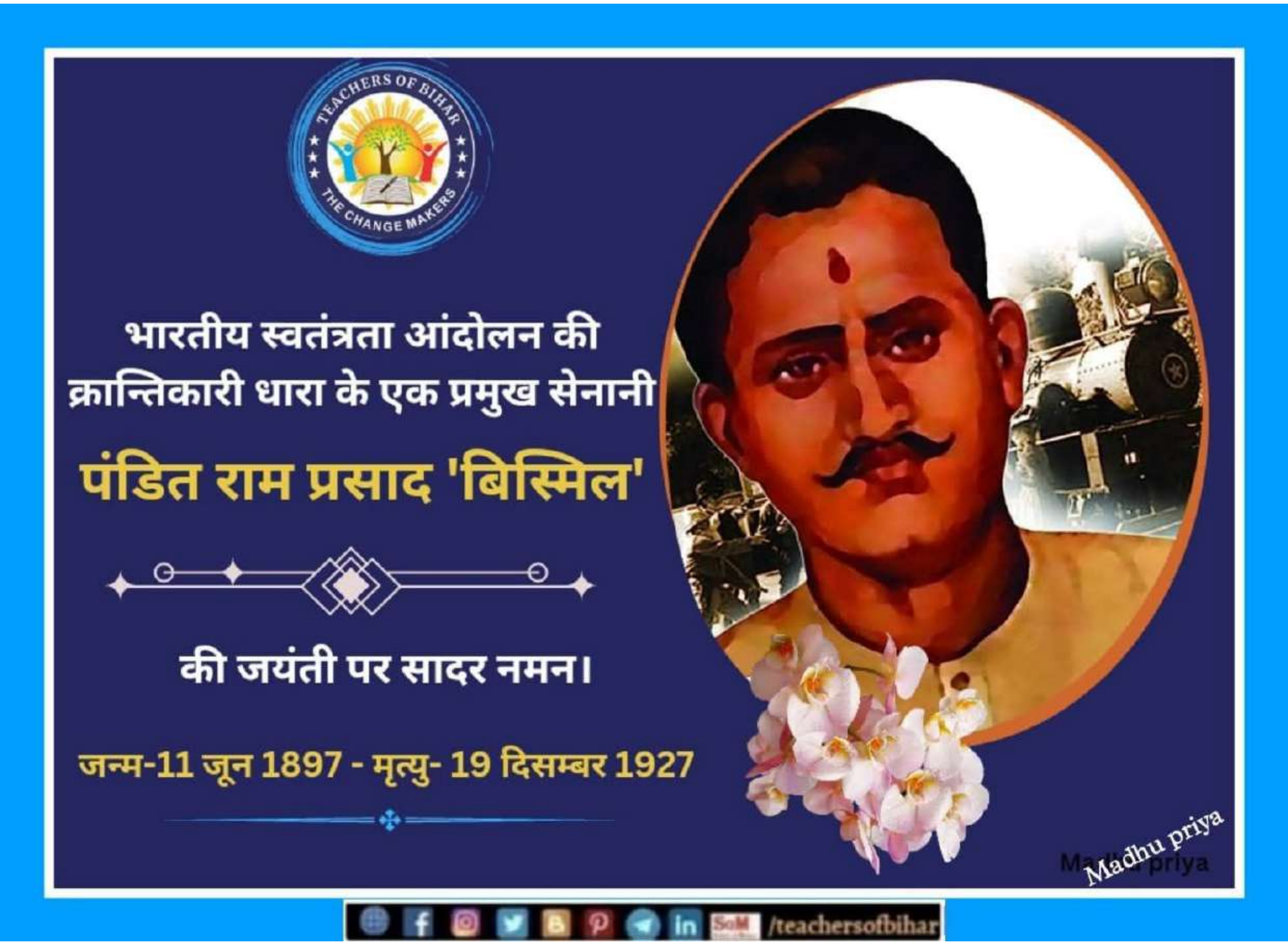
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की
क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी
पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल'
की जयंती पर सादर नमन।
जन्म-11 जून 1897 - मृत्यु- 19 दिसम्बर 1927
Madhu priya
/teachersofbihar

"सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,
देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-कातिल में है।"

11 जून

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

पं० रामप्रसाद बिस्मिल जी

की जयंती पर उन्हें शत्-शत् नमन

11 जून 1897 - 19 दिसंबर 1927

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari